भा. कृ. अनु. प.-के न्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
ICAR-Central Institute of Fisheries Education,Mumbai-61

एन ए एच ई पी प्रायोजित इंटरैक्टिव कार्यशाला "सफलता के लिए स्व-प्रबंधन"-प्रतिवेदन

25 सितंबर, 2023

NAHEP के इक्विटी एक्शन प्लान (EAP) के तहत "सफलता के लिए स्व-प्रबंधन" पर एक दिवसीय इंटरैक्टिव कार्यशाला 25 सितंबर, 2023 को भाकृअनुप -केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई में आयोजित की गई । कार्यशाला का आयोजन संयुक्त रूप से डॉ. बी.बी. नायक, प्रधान वैज्ञानिक एवं डीन, डॉ. विद्या श्री भारती, वरिष्ठ वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी, ईएपी, एनएएचईपी और डॉ. नलिनी पुजारी, मुख्य तकनीकी अधिकारी, एईएचएम द्वारा किया गया था। यह कार्यशाला कर्मचारियों और छात्रों दोनों के लिए लक्षित थी और लगातार विकसित हो रही दुनिया में स्व-प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने के प्रति संवेदनशीलता की परिकल्पना की गई थी, जहां परिवर्तन और नई चुनौतियों के लिए खुला रहना आवश्यक है।डॉ. विद्या श्री भारती, नोडल अधिकारी, ईएपी, एनएएचईपी ने सभी का हार्दिक स्वागत किया । प्रतिभागियों को खुली चर्चा के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे स्व-प्रबंधन के सिद्धांतों और रणनीतियों को शामिल करके करियर में सफलता प्राप्त करने और जीवन के विभिन्न पहलुओं में सामंजस्य बनाए रखने की दिशा में काम कर सकें। सत्र को सोच-समझकर डिजाइन किया गया था जिसमें दो इंटरैक्टिव व्याख्यान शामिल थे:
सत्र 1: सफलता और सद्भाव के लिए स्व-प्रबंधन, सत्र 2: जीत का मनोविज्ञान,

डॉ. ई.वी.गिरीश,व्यवहार प्रशिक्षक, परामर्शदाता और प्रेरक वक्ता ने प्रतिभागियों के साथ खुलकर चर्चा की। आवश्यक कौशल और रणनीतियाँ जो उन्हें समस्याओं के प्रति अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने और सफलता की ओर ले जाने वाले अपने जीवन को प्रभावी ढंग से स्वयं प्रबंधित करने में मदद कर सकती हैं।डॉ. एन.पी. साहू, प्रधान अन्वेषक, NAHEP एवं संयुक्त निदेशक, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई ने भी स्व-प्रबंधन, एक मौलिक और महत्वपूर्ण कार्यस्थल कौशल पर अपनी बहुमूल्य टिप्पणी दी, जो जीवन के व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में सफलता, उत्कृष्टता और सद्भाव को रेखांकित करता है। प्रतिभागी स्व-प्रबंधन के कौशल सीखने से रोमांचित हुए और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कार्यशाला में 50 एमएफएससी और पीएचडी विद्वानों और तकनीकी की भागीदारी देखी गई। पहले सत्र में प्रशासनिक और सहायक कर्मचारी और दूसरे व्याख्यान सत्र में 60 छात्रने भाग लिया । इसके बाद कार्यशाला एईएचएम की मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. नलिनी पुजारी के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई।